पंजाब केसरी
TUE, 14 APRIL 2026
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

संवादात्मक कक्षा ही साकार कर सकती है वास्तविक उद्देश्यों को : प्रो. सुदेश

गोहाना, 13 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में सोमवार को नई शिक्षा नीति 2020 (एन.ई.पी. 2020) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर 5 दिवसीय फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम (एफ.डी.पी.) का शुभारंभ हो गया।

कार्यशाला के प्रतिभागी प्राध्यापक महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश के साथ। (अरोड़ा)

कार्यशाला का आयोजन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (ए.आई.यू.)-बी.पी.एस.एम.वी. अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केंद्र द्वारा किया गया है।

शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता वी.सी. प्रो. सुदेश ने की। प्रो. सुदेश ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, लचीला और कौशल-आधारित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका अब केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए मार्गदर्शक और नवप्रवर्तक बनना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संवादात्मक, प्रयोगात्मक और छात्र-केंद्रित कक्षा ही शिक्षा के वास्तविक उद्देश्यों को साकार कर सकती है।

ए.आई.यू. की संयुक्त सचिव रंजना परिहार ने अपने ऑनलाइन माध्यम से कॉन्फ्रैंस में जुड़ते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दृष्टि और कौशल प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय स्वावलम्ब केंद्र की निदेशक प्रो. अंशु भारद्वाज ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षाविद जैसे प्रो. परलोक गुप्ता, प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी एवं विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ संकाय सदस्य अलग-अलग विषयों पर अपने विचार सांझा कर रहे हैं।

प्रतिभागी व आयोजकों के साथ कुलपति प्रो. सुदेश।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम (एफडीपी) का हुआ शुभारंभ

गोहाना, 13 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, में आज से नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ हो गया है। विश्वविद्यालय स्वावलम्ब केंद्र द्वारा 'स्ट्रेंथनिंग क्लासरूम प्रैक्टिस थ्रू एनईपी 2020 विजन' विषय पर आयोजित यह कार्यशाला 17 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जा रही है।कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू)-बीपीएसएमवी अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केंद्र द्वारा किया गया है ।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, लचीला और कौशल-आधारित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है।

चर्चा का अवलोकन करते कुलपति प्रो. सुदेश व पैनलिस्ट।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में हुआ पैनल चर्चा का आयोजन

गोहाना, 13 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, में आज 'प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक: नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत' विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा का आयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह की अध्यक्षता में हुआ जिसमें विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. सुदेश ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर प्रो जगदीप सिंगला ने कहा कि इस पैनल चर्चा का उद्देश्य छात्राओं में समसामयिक विधिक, राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनमें विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। इस अवसर पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ कृतिका ,पैनलिस्ट भूमिका निभा रही प्रो मंजू पंवार व प्रो शालिनी अत्रि ने कहा कि इस प्रकार की चर्चाएं छात्राओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाती हैं, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रेरित करती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं को मिलेगी नई दिशा

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रतिनिधित्व से सशक्तीकरण तक- नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश मुख्य अतिथि रहीं और अध्यक्षता छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने की।

कुलगुरु प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कदम है। यह अधिनियम केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाकर वास्तविक सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रो. मंजू पंवार व प्रो. शालिनी अत्री ने कहा कि ऐसी चर्चाएं छात्राओं को अधिकारों के प्रति सजग बनाती हैं। समन्वयक प्रो. जगदीप सिंगला ने कहा कि इस पैनल चर्चा का उद्देश्य छात्राओं में समसामयिक विधिक, राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम

■ प्रतिनिधित्व से सशक्तीकरण तक-नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। छात्राओं की चर्चा का अवलोकन करते हुए कुलगुरु प्रो. सुदेश व पैनलिस्ट।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां में सोमवार को प्रतिनिधित्व से सशक्तीकरण तक-नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विवि की कुलगुरु प्रो. सुदेश मुख्य अतिथि रहीं और अध्यक्षता छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने की। कुलगुरु प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कदम है। यह अधिनियम केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाकर वास्तविक सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। युवा पीढ़ी को केवल शिक्षा तक सीमित न रहकर सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर भी सजग रहना चाहिए। प्रो. मंजू पंवार व प्रो. शालिनी अत्री ने कहा कि इस प्रकार की चर्चाएं छात्राओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाती हैं, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रेरित करती हैं। समन्वयक प्रो. जगदीप सिंगला ने कहा कि इस पैनल चर्चा का उद्देश्य छात्राओं में समसामयिक विधिक, राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना व उनमें विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

नई शिक्षा नीति 2020 एक क्रांतिकारी पहल : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) में नई शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ हो गया है। विवि स्वावलम्ब केंद्र द्वारा स्ट्रेंथनिंग क्लासरूम प्रैक्टिस थ्रू एनईपीः 2020 विजन विषय पर आयोजित यह कार्यशाला 17 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू)-बीपीएसएमवी अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केंद्र द्वारा किया गया है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति की [illegible] भावना, प्रमुख विशेषताओं और [illegible] के व्यावहारिक क्रियान्वयन से अवगत कराना है। उद्घाटन [illegible] की अध्यक्षता विवि की कुलगुरु प्रो. सुदेश

गोहाना। कार्यशाला को सम्बोधित करते कुलगुरुं प्रो . सुदेश।

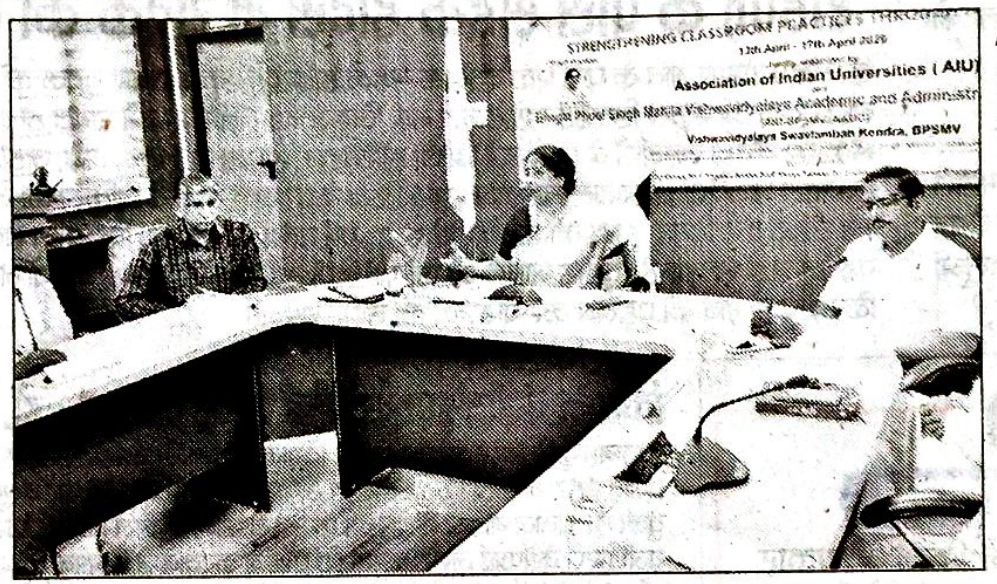

ने की। उन्होंने कहा कि एनईपी भारतीय शिक्षा [illegible] को अधिक समावेशी, लचीला और कौशल-आधारित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है।

शिक्षक विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए मार्गदर्शक

शिक्षकों की भूमिका अब केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए मार्गदर्शक और नवप्रवर्तक बनना होगा। यह एफडीपी शिक्षकों को पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों के साथ आधुनिक तकनीकी साधनों को जोड़ने, फ्लिप्ड क्लासरूम और अनुभवात्मक अधिगम को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने स्वदेशी ज्ञान प्रणाली और आधुनिक तकनीक के समन्वय को नई शिक्षा नीति की आत्मा बताते हुए इसे प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में एआईयू की संयुक्त सचिव रंजना परिहार, स्वावलम्ब केंद्र की निदेशक प्रो. अंशु भारद्वाज, शिक्षाविद् प्रो. परलोक गुप्ता, प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी और प्रो. रवि भूषण ने भी अपने विार व्यक्त किए।

सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर भी सजग रहे युवा पीढ़ी : प्रो. सुदेश

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कदम है। यह अधिनियम केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाकर वास्तविक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करता है। ऐसे में आज की युवा पीढ़ी को केवल शिक्षा तक सीमित न रहकर, सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर भी सजग रहना चाहिए।

जब महिलाएं नीति निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाती हैं तो समाज अधिक समावेशी, संवेदनशील और संतुलित बनता है। वे सोमवार को विवि परिसर में प्रतिनिधित्व से सशक्तिकरण तक : नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत विषय पर पैनल चर्चा में संबोधित कर रही थीं। को-ऑर्डिनेटर प्रो. जगदीप सिंगला के अनुसार पैनल चर्चा का उद्देश्य छात्राओं में समसामयिक विधिक, राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनमें विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

इसके साथ ही पैनल के माध्यम से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रावधानों, उसके दूरगामी प्रभावों और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुदृढ़ करने में उसकी भूमिका पर विस्तृत चर्चा करना है। इस मौके पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह, पैनलिस्ट प्रो. मंजू पंवार, प्रो. शालिनी अत्री, नोडल अधिकारी डॉ. कृतिका आदि मौजूद रहीं।

बीपीएस विवि में पांच दिनी एफडीपी शुरू

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 को सही तरीके से लागू करने के लिए पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) शुरू हुआ। यह कार्यक्रम 17 अप्रैल तक चलेगा।

यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के स्वावलंबन केंद्र और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज-बीपीएसएमवी अकादमिक व प्रशासनिक विकास केंद्र के सहयोग से करवाई जा रही है। इसका मकसद शिक्षकों को नई शिक्षा नीति की खास बातें और उसे कक्षा में कैसे लागू करें, इसकी जानकारी देना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा व्यवस्था और बेहतर, लचीली और कौशल आधारित बनेगी। अब शिक्षक सिर्फ पढ़ाने तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि बच्चों के मार्गदर्शक बनेंगे। उन्होंने कहा कि कक्षा में बातचीत, प्रयोग और छात्र केंद्रित पढ़ाई जरूरी है।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम से शिक्षकों को नई तकनीक, फ्लिप्ड क्लासरूम और अनुभव से सीखने जैसे तरीके अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक तकनीक को साथ लेकर चलना भी जरूरी है।

ऑनलाइन जुड़ीं एआईयू की संयुक्त सचिव रंजना परिहार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को नई शिक्षा नीति को लागू करने में मदद करते हैं। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाते हैं। स्वावलंबन केंद्र की निदेशक प्रो. अंशु भारद्वाज ने बताया कई शिक्षाविदों ने अपने विचार रखेंगे। संवाद